Title: Need to take action against the guilty officials involved in the testing of a cancer drug on patient in a Regional Cancer Centre, Kerala.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : उपाध्यक्ष महोदय, यह अत्यन्त आक्रोश का विाय है। अमरीका के जान-होपकिन्स विश्वविद्यालय के एक वैज्ञानिक ने अमरीकी सरकार या विश्वविद्यालय के अधिकारियों की आज्ञा के बिना, जानवरों पर परीक्षण किए बिना, केरल राज्य में रीजनल कैंसर सैन्टर में 26 मरीजों के ऊपर कैंसर की घातक द वाओं का परीक्षण पिछले वर्ा अप्रैल से लेकर इस वर्ा जुलाई तक किया। यह काम मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध और अन्यायपूर्ण कृत्य है तथा मानदंडों के विपरीत है। यह परीक्षण खोज विश्वविद्यालय के मानकों के अनुकूल नहीं था। क्या चूहों, बिल्लियों और अन्य जानवरों से भी हिन्दुस्तानी गए गुजरे हैं। अमरीका के अन्दर 11 सितम्बर, 2001 को WTC पर हमला हुआ, तो उन्होंने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। वह राट्रीय स्वाभिमान का तकाजा था और हमारे हिन्दुस्तानियों का इतना भी महत्व नहीं और केरल में कैंसर की घातव दवाइयों का परीक्षण इनके ऊपर किया गया। यह परीक्षण पहले बिल्ली, चूहों और खरगोशों पर करना चाहिए था। यह एक स्थापित प्रक्रिया है। इस नियम का उल्लंघन करके, विश्वविद्यालय की आज्ञा के बिना और अमरीका की सरकार की आज्ञा के बिना केरल के अन्दर आरसीसी में 26 मरीजों के ऊपर परीक्षण किया गया। मैं आपके माध्यम से प्रार्थन करूंगा कि इसकी जांच होनी चाहिए कि किस संस्था ने उस शोधकर्ता को आज्ञा दी। जांच में दोाी व्यक्तियों को दंडित किया जाए और अमरीकी सरकार से कड़ा विरोध करके संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

कुंवर अखिलेश सिंह : महोदय, मैं प्रो. रासासिंह रावत जी की बात का समर्थन करता हूं। â€¦ (व्यवधान)